प्राचीन महाकाव्य रामायण में सामाजिक विज्ञान

डॉ0 अनुजा सिंह एवं डॉ0 बिपिन दूबे

वैदिक साहित्य के अनुशीलन से भारत के प्राचीन राष्ट्रो या जनपदो की शासन पद्धति के विषय में कतिपय निर्देश अवश्य मिलते है। रामायण और महाभारत में भारत की जो पुरातन ऐतिहासिक अनुश्रृति संगृहीत है, वह भारत के प्राचीन राज्यो की शासन पद्धति पर अच्छा प्रकाश डालती है। रामायण में इक्ष्वाकु से राजा रामचंद्र तक के इतिहास एवं शासन पद्धति का वर्णन है। साथ ही उस समय के समाज एवं राज्य की भगौलिक स्थितियों का भी उल्लेख है। रामायण को आदिकाव्य माना गया है। इसका कारण है कि रामायण श्लोकबद्ध प्रबंध काव्य का पहला उदाहरण है। इसमें कुल चौबीस हजार श्लोक है तथा जनुश्रुति के अनुसार इस प्रबंध काव्य के रचयिता महर्षि वाल्मीकि है।